



आइए आपको ! एक छोटे से गाँव की कहानी सुनाते हैं। एक गाँव था। उस गाँव में नौ साल का देवा रहता था। वह मिट्टी के बहुत सुन्दर खिलौने बनाता था। वह न स्कूल जाता था, न खेल पाता था। जब वह चार साल का था तो एक बार उसे बहुत तेज बुखार आया। उसे पोलियो हो गया जिससे उसके पैर खराब हो गए। उसकी माँ बताती है कि बचपन में उसे पोलियो की दवा नहीं पिलाई गई थी।

सुरु, दुलारी और अनवर देवा के मित्र थे। सुरु बहुत सुरीले गाने गाता था। दुलारी सबकी प्यारी थी और अनवर तो पढ़ने का इतना शौकीन था कि उसे जो कुछ भी पढ़ने को मिलता उसे पढ़ने लग जाता था।



सुरु, दुलारी और अनवर जब देवा के घर के सामने चोर-सिपाही खेलते, तब देवा उन्हें बड़े ध्यान से खेलते देखता था। किसी के पकड़े जाने पर अपने दोस्तों के साथ जोर-जोर से 'पकड़ लिया', चिल्लाता, फिर पेट पकड़ कर देर तक हँसता रहता। बच्चे देवा के साथ खेलना चाहते थे, पर उसके पैर देख कर उदास हो जाते। वह सोचते थे कि अगर कोई जादूगर या परी मिल जाए तो वह उससे देवा के पैर ठीक करने को कहेंगे।



एक दिन बच्चे खेलने नहीं आए। देवा हर दिन की तरह अपने दोस्तों की प्रतीक्षा कर रहा था। उनके नहीं आने पर वह दुःखी हो गया।

शाम तक बच्चे आ गए। वह सभी बहुत खुश थे। 'अरे! तुम लोग क्या जंगल गए थे? यह टहनियाँ क्यों लाए हो?' देवा ने पूछा। बच्चे कुछ नहीं बोले।

वे फौरन राघव बड़ई के घर पहुँचे और बोले, "दादा जी, क्या आप इनसे देवा के लिए बैसाखी बना सकते हैं?"

दादा जी, टहनियाँ देख कर बोले, "यह लकड़ी कमजोर है। देवा का भार नहीं उठा पाएगी। तुम लोग इसी तरह की कुछ मजबूत लकड़ियाँ ले आओ।"

बच्चे अगले दिन फिर जंगल गए और अबकी बार आम की मजबूत लकड़ियाँ लेकर लौटे। राघव दादा ने दो बैसाखियाँ तैयार कर दीं।

बैसाखी लेकर बच्चे भागते हुए देवा के पास आए। "देवा-देवा, अब तुम हमारे साथ खेल सकते हो" वे बोले। दुलारी बोली "देखो, मैं तुम्हें चल कर दिखाती हूँ।" दुलारी ने बैसाखियों से चलकर दिखाया।

बच्चों ने देवा को सहारा देकर उठाया। बैसाखियाँ लेकर देवा चलने की कोशिश कर रहा था, पर बैसाखियाँ उसके कंधे के नीचे गड़ रही थीं। बच्चों ने तुरन्त पुराना कपड़ा बैसाखियों के हथ्थे पर लपेट दिया।



अब देवा धीरे-धीरे आराम से चल रहा था। वह बोला- “अब तो मैं भी तुम्हारे साथ खेल सकूँगा और स्कूल चल सकूँगा। बच्चों की खुशी का ठिकाना न रहा। वे अपने प्यारे दोस्त के चारो तरफ नाचने लगे।



1. सोचें और सूची बनाएँ –

बच्चे देवा के साथ कौन-कौन से खेल बैठ कर खेल सकते थे ?

2. अपने शिक्षक से बातचीत कीजिए –

(क) यदि हम देख नहीं पाते तो यह कहानी कैसे पढ़ते ? अपने खिलौने कैसे ढूँढ़ते ? कैसे चलते ? लाल, पीला, नीला रंग कैसे देखते ?



(ख) यदि हम सुन नहीं पाते तो बातचीत कैसे करते ?

प्रोजेक्ट वर्क

- अपने घर के आस-पास जाकर पता करो कि आपकी उम्र या आपसे बड़ी उम्र के ऐसे कितने बच्चे हैं जो आपके साथ खेल नहीं पाते हैं।
- उनसे बातचीत कीजिए एवं उनके नाम लिखिए।
- वे बच्चे आपके साथ खेल सकें एवं स्कूल जा सकें इसके लिए आप क्या करेंगे ?
- अपने शिक्षक से गाँव में चलने वाले पल्स-पोलियो अभियान के बारे में जानकारी प्राप्त करें।